8 शब्द-रूप

संस्कृत व्याकरण की दृष्टि से शब्द दो प्रकार के माने जाते हैं— (1) अजन्त, (2) हलन्त।

जो शब्द अपने अन्त में स्वर रखते हैं, उन्हें अजन्त या स्वरान्त कहते हैं। **जैसे–** राम, कृष्ण, हरि, लता आदि।

जिन शब्दों के अन्त में व्यंजन होता है, उन्हें हलन्त या व्यंजनान्त कहते हैं। **जैसे–** दिश्, वाक्, सरित् आदि।

इन दोनों प्रकार के शब्दों में तीनों लिङ्ग के शब्द होते हैं। इस प्रकार सम्पूर्ण शब्दों को निम्नलिखित भागों में विभक्त किया जाता है–

(1) अजन्त पुंलिङ्ग, (2) हलन्त पुंलिङ्ग, (3) अजन्त स्त्रीलिङ्ग, (4) हलन्त स्त्रीलिङ्ग, (5) अजन्त नपुंसकलिङ्ग, (6) हलन्त नपुंसकलिङ्ग।

रूपों को स्मरण करने का सरल तरीका यह है कि पहले किसी एक शब्द को अच्छी तरह समझकर याद करना चाहिए। फिर नवीन शब्दों को बनाने के लिए यह देखना चाहिए कि शब्द का लिङ्ग क्या है और उसके अन्त में कौन सा स्वर या व्यंजन है। फिर उसी लिङ्ग के उसी स्वर या व्यंजन को अन्त में रखने वाले शब्द के अनुसार उसका रूप बना लेना चाहिए। **जैसे–** बालक शब्द का तृतीया के 'एकवचन' का रूप ज्ञात करना है, तो 'बालक' शब्द पुंलिङ्ग है और उसके अन्त में अ है, अत: पुंलिङ्ग में 'अ' अन्त में रखनेवाले 'राम' का तृतीया एकवचन का रूप 'रामेण' को ध्यान में रखकर हमें बालक का 'बालकेन' रूप ज्ञात कर लेना चाहिए।

1. पितृ (पिता) ऋकारान्त

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथमा	पिता	पितरौ	पितर:
द्वितीया	पितरम्	पितरौ	पितॄन् **(2020MQ)**
तृतीया	पित्रा	पितृभ्याम्	पितृभि:
चतुर्थी	पित्रे	पितृभ्याम्	पितृभ्य:
पंचमी	पितु: **(2019AR, AT)**	पितृभ्याम्	पितृभ्य:
षष्ठी	पितु:	पित्रो:	पितॄणाम्
सप्तमी	पितरि **(2019AO)**	पित्रो:	पितृषु
सम्बोधन	हे पित:!	हे पितरौ!	हे पितर:!

नोट– (1) भ्रातृ, जामातृ आदि शब्द ऋकारान्त पुंलिङ्ग हैं। इनके रूप 'पितृ' शब्द के समान ही चलते हैं।
(2) 'मातृ' (स्त्रीलिङ्ग) शब्द के रूप भी 'पितृ' के समान चलते हैं। केवल द्वितीया के बहुवचन में 'मातृ:' रूप बनता है।

2. गो (बैल) ओकारान्त

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथमा	गौ:	गावौ	गाव:
द्वितीया	गाम्	गावौ	गा:
तृतीया	गवा	गोभ्याम्	गोभि:
चतुर्थी	गवे **(2018AQ)**	गोभ्याम्	गोभ्य:
पंचमी	गो:	गोभ्याम्	गोभ्य:
षष्ठी	गो:	गवो:	गवाम्
सप्तमी	गवि	गवो:	गोषु **(2019AR)**
सम्बोधन	हे गौ:!	हे गावौ!	हे गाव:!

3. राजन् (राजा) नकारान्त

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथमा	राजा	राजानौ	राजान:
द्वितीया	राजानम्	राजानौ	राज्ञ:
तृतीया	राज्ञा **(2020MS)**	राजभ्याम् **(2020MT)**	राजभि:
चतुर्थी	राज्ञे **(2020MP)**	राजभ्याम्	राजभ्य:
पंचमी	राज्ञ:	राजभ्याम्	राजभ्य:
षष्ठी	राज्ञ: **(2018HT, 19AQ, AU)**	राज्ञो:	राज्ञाम्
सप्तमी	राज्ञि, राजनि	राज्ञो:	राजसु **(2020MO)**
सम्बोधन	हे राजन्!	हे राजानौ!	हे राजान:!

4. भगवत् (भगवान्) तकारान्त

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथमा	भगवान्	भगवन्तौ	भगवन्त:
द्वितीया	भगवन्तम्	भगवन्तौ	भगवत: **(2020MU)**
तृतीया	भगवता	भगवद्भ्याम्	भगवद्भि:
चतुर्थी	भगवते	भगवद्भ्याम्	भगवद्भ्य:
पंचमी	भगवत:	भगवद्भ्याम्	भगवद्भ्य:
षष्ठी	भगवत:	भगवतो:	भगवताम्
सप्तमी	भगवति **(2019AS)**	भगवतो:	भगवत्सु
सम्बोधन	हे भगवन्!	हे भगवन्तौ!	हे भगवन्त:!

नोट– इसी प्रकार भवत्, बुद्धिमत् (बुद्धिमान), बलवत्, श्रुतवत्, गुणवत्, धनवत्, श्रीमत्, शीलवत्, रूपवत्, शक्तिमत् आदि वत्-मत् प्रत्ययान्त तकारान्त पुंलिङ्ग शब्दों के रूप 'भगवत्' शब्द के समान चलते हैं।

5. करिन् (हाथी) नकारान्त

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथमा	करी	करिणौ	करिण:
द्वितीया	करिणम्	करिणौ	करिण:
तृतीया	करिणा	करिभ्याम्	करिभि: **(2020MO)**
चतुर्थी	करिणे	करिभ्याम्	करिभ्य:
पंचमी	करिण:	करिभ्याम्	करिभ्य:
षष्ठी	करिण:	करिणो:	करिणाम्
सप्तमी	करिणि	करिणो:	करिषु
सम्बोधन	हे करिन्!	हे करिणौ!	हे करिण:!

नोट– इसी प्रकार संन्यासिन्, दण्डिन्, तपस्विन्, धनिन्, स्वामिन्, यशस्विन्, दानिन्, ज्ञानिन्, विद्यार्थिन्, हस्तिन्, गुणिन्, मन्त्रिन्, पक्षिन्, सुखिन् आदि 'इन्' प्रत्ययान्त पुंलिङ्ग शब्दों के रूप 'करिन्' शब्द के समान चलते हैं।

(ब) स्त्रीलिङ्ग

1. नदी (नदी) ईकारान्त

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथमा	नदी	नद्यौ	नद्य:
द्वितीया	नदीम्	नद्यौ	नदी: **(2019AT, 20MP, MS)**
तृतीया	नद्या **(2019AU, MQ)**	नदीभ्याम्	नदीभि: **(2019AO)**
चतुर्थी	नद्यै	नदीभ्याम्	नदीभ्य:
पंचमी	नद्या:	नदीभ्याम्	नदीभ्य:
षष्ठी	नद्या:	नद्यो:	नदीनाम्
सप्तमी	नद्याम् **(2020MU)**	नद्यो:	नदीषु
सम्बोधन	हे नदि!	हे नद्यौ!	हे नद्य:।

नोट– इसी प्रकार जानकी, गौरी, गायत्री, सावित्री, पृथ्वी, राज्ञी, रजनी, पत्नी, गोपी, पुत्री, जननी आदि शब्दों के रूप चलेंगे, किन्तु लक्ष्मी:, तरी, तन्त्री: आदि के प्रथमा एकवचन में विसर्ग भी लगाया जाता है।

2. धेनु (गाय) उकारान्त

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथमा	धेनु:	धेनू	धेनव:
द्वितीया	धेनुम्	धेनू	धेनू:
तृतीया	धेन्वा **(2019AS)**	धेनुभ्याम्	धेनुभि:
चतुर्थी	धेनवे, धेन्वै	धेनुभ्याम्	धेनुभ्य:
पंचमी	धेनो:, धेन्वा:	धेनुभ्याम्	धेनुभ्य:
षष्ठी	धेनो:, धेन्वा:	धेन्वो:	धेनूनाम्
सप्तमी	धेनौ, धेन्वाम्	धेन्वो:	धेनुषु
सम्बोधन	हे धेनो!	हे धेनू!	हे धेनव:।

नोट– इसी प्रकार तनु: (शरीर), रेणु: (धूलि), हनु: (ठोड़ी) आदि उकारान्त स्त्रीलिङ्ग शब्दों के रूप 'धेनु' शब्द के समान चलते हैं।

3. वधू (बहू) ऊकारान्त

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथमा	वधू:	वध्वौ	वध्व:
द्वितीया	वधूम्	वध्वौ	वधू:
तृतीया	वध्वा	वधूभ्याम्	वधूभि:
चतुर्थी	वध्वै	वधूभ्याम्	वधूभ्य:
पंचमी	वध्वा:	वधूभ्याम्	वधूभ्य:
षष्ठी	वध्वा:	वध्वो:	वधूनाम्
सप्तमी	वध्वाम्	वध्वो:	वधुषु
सम्बोधन	हे वधु!	हे वध्वौ!	हे वध्व:!

4. सरित् (नदी) तकारान्त

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथमा	सरित्	सरितौ	सरित:
द्वितीया	सरितम्	सरितौ	सरित:
तृतीया	सरिता	सरिद्भ्याम्	सरिद्भि:
चतुर्थी	सरिते	सरिद्भ्याम्	सरिद्भ्य:
पंचमी	सरित:	सरिद्भ्याम्	सरिद्भ्य:
षष्ठी	सरित:	सरितो:	सरिताम्
सप्तमी	सरिति **(2018HQ)**	सरितो:	सरित्सु
सम्बोधन	हे सरित्!	हे सरितौ!	हे सरित:!

नोट– इसी प्रकार विद्युत् (बिजली), हरित् (दिशा), योषित् (स्त्री) आदि तकारान्त शब्दों के रूप 'सरित्' के समान चलेंगे।

(स) नपुंसकलिङ्ग

1. यद् (जो)

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथमा	यत्	ये	यानि
द्वितीया	यत्	ये	यानि
तृतीया	येन	याभ्याम्	यै:
चतुर्थी	यस्मै	याभ्याम्	येभ्य:
पंचमी	यस्मात्	याभ्याम्	येभ्य:
षष्ठी	यस्य	ययो:	येषाम्
सप्तमी	यस्मिन्	ययो:	येषु

2. नामन् (नाम) नकारान्त

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथमा	नाम	नाम्नी	नामानि
द्वितीया	नाम	नाम्नी	नामानि
तृतीया	नाम्ना	नामभ्याम्	नामभि:
चतुर्थी	नाम्ने	नामभ्याम्	नामभ्य:
पंचमी	नाम्न:	नामभ्याम्	नामभ्य:
षष्ठी	नाम्न:	नाम्नो:	नाम्नाम्
सप्तमी	नाम्नि, नामनि,	नाम्नो:	नामसु
सम्बोधन	हे नाम! नामन्!	हे नाम्नी!	हे नामानि!

नोट– व्योमन् (आकाश), धामन् (घर, तेज), प्रेमन् (प्रेम), सामन् (सामवेद का मन्त्र) आदि नकारान्त नपुंसकलिङ्ग के भी रूप 'नामन्' शब्द के समान चलते हैं।

3. मनस् (मन) सकारान्त

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन	
प्रथमा	मन:	मनसी	मनांसि	
द्वितीया	मन:	मनसी	मनांसि	
तृतीया	मनसा	मनोभ्याम्	मनोभि:	
चतुर्थी	मनसे	मनोभ्याम्	मनोभ्य:	
पंचमी	मनस:	मनोभ्याम्	मनोभ्य:	
षष्ठी	मनस:	मनसो:	मनसाम्	**(2019AS)**
सप्तमी	मनसि	मनसो:	मनस्सु,	
सम्बोधन	हे मन:!	हे मनसी!	हे मनांसि	

4. वारि (जल) इकारान्त

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन	
प्रथमा	वारि	वारिणी	वारीणि	
द्वितीया	वारि	वारिणी	वारीणि	**(2019AT)**
तृतीया	वारिणा	वारिभ्याम्	वारिभि:	**(2020MR)**
चतुर्थी	वारिणे **(2020MO)**	वारिभ्याम्	वारिभ्य:	**(2019AO)**
पंचमी	वारिण:	वारिभ्याम् **(2020MQ)**	वारिभ्य:	
षष्ठी	वारिण:	वारिणो:	वारीणाम्	
सप्तमी	वारिणि	वारिणो: **(2018HQ)**	वारिषु	**(2019AU)**
सम्बोधन	हे वारे! हे वारि!	हे वारिणी!	हे वारीणि!	

5. किम् (कौन, क्या)

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथमा	किम्	के	कानि
द्वितीया	किम्	के	कानि
तृतीया	केन	काभ्याम्	कै:
चतुर्थी	कस्मै	काभ्याम्	केभ्य:
पंचमी	कस्मात्	काभ्याम्	केभ्य:
षष्ठी	कस्य	कयो:	केषाम्
सप्तमी	कस्मिन्	कयो:	केषु

6. मधु (शहद) उकारान्त

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथमा	मधु	मधुनी	मधूनि
द्वितीया	मधु	मधुनी	मधूनि
तृतीया	मधुना	मधुभ्याम्	मधुभि:
चतुर्थी	मधुने **(2020MS)**	मधुभ्याम्	मधुभ्य:
पंचमी	मधुन:	मधुभ्याम्	मधुभ्य:
षष्ठी	मधुन:	मधुनो:	मधूनाम्
सप्तमी	मधुनि	मधुनो: **(2020MP)**	मधुषु
सम्बोधन	हे मधु! मधो!	हे मधुनी!	हे मधूनि!

नोट– इसी प्रकार जानु (घुटना), दारु (लकड़ी), तालु, वस्तु, सानु (पर्वत की चोटी) उकारान्त नपुंसकलिङ्ग के रूप 'मधु' की तरह ही चलेंगे।

7. अदस् (वह)

पुंलिङ्ग

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथमा	असौ	अमू	अमी
द्वितीया	अमुम्	अमू	अमून्
तृतीया	अमुना	अमूभ्याम्	अमीभि:
चतुर्थी	अमुष्मै	अमूभ्याम्	अमीभ्य:
पंचमी	अमुष्मात्	अमूभ्याम्	अमीभ्य:
षष्ठी	अमुष्य	अमुयो:	अमीषाम्
सप्तमी	अमुष्मिन्	अमुयो:	अमीषु

स्त्रीलिङ्ग

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथमा	असौ	अमू	अमू:
द्वितीया	अमूम्	अमू	अमू:
तृतीया	अमुया	अमूभ्याम्	अमूभि:
चतुर्थी	अमुष्यै	अमूभ्याम्	अमूभ्य:
पंचमी	अमुष्या:	अमूभ्याम्	अमूभ्य:
षष्ठी	अमुष्या:	अमुयो:	अमूषाम्
सप्तमी	अमुष्याम्	अमुयो:	अमूषु

नपुंसकलिङ्ग

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथमा	अद:	अमू	अमूनि
द्वितीया	अद:	अमू	अमूनि
तृतीया	अमुना	अमूभ्याम्	अमीभि:
चतुर्थी	अमुष्मै	अमूभ्याम्	अमीभ्य:
पंचमी	अमुष्मात्	अमूभ्याम्	अमीभ्य:
षष्ठी	अमुष्य	अमुयो:	अमीषाम्
सप्तमी	अमुष्मिन्	अमुयो:	अमीषु

संस्कृत के एक से सौ तक संख्यावाचक शब्द

1. एक (एक:, एका, एकम्)
2. द्वि (द्वौ, द्वे, द्वे)
3. त्रि (त्रय:, त्रिस्र:, त्रीणि)
4. चतुर् (चत्वार:, चतस्र:, चत्वारि)
5. पञ्चन्
6. षष्
7. सप्तन्
8. अष्टन्
9. नवन्
10. दशन्
11. एकादशन्
12. द्वादशन्
13. त्रयोदशन्
14. चतुर्दशन्
15. पञ्चदशन्
16. षोडशन्
17. सप्तदशन्
18. अष्टदशन्

19. नवदशन्
(एकोनविंशति, ऊनविंशति, एकान्नविंशति)
20. विंशति
21. एकविंशति
22. द्वाविंशति
23. त्रयोविंशति
24. चतुर्विंशति
25. पञ्चविंशति
26. षड्विंशति
27. सप्तविंशति
28. अष्टाविंशति
29. नवविंशति
(एकोनत्रिंशत्, ऊनत्रिंशत्, एकान्नत्रिंशत्)
30. त्रिंशत्
31. एकत्रिंशत्
32. द्वात्रिंशत्
33. त्रयस्त्रिशत्
34. चतुस्त्रिशत्
35. पञ्चत्रिंशत्
36. षट्त्रिंशत्
37. सप्तत्रिंशत्
38. अष्टात्रिंशत्
39. नवत्रिंशत्
40. चत्वारिंशत्
41. एकचत्वारिंशत्
42. द्विचत्वारिंशत्
43. त्रिचत्वारिंशत् (द्वाचत्वारिंशत्)
44. चतुश्चत्वारिंशत्
45. पञ्चचत्वारिंशत्
46. षट्चत्वारिंशत्
47. सप्तचत्वारिंशत्
48. अष्टचत्वारिंशत्
49. नवचत्वारिंशत्
(ऊनपञ्चाशत्, एकोनपञ्चाशत्)
50. पञ्चाशत्
51. एकपञ्चाशत्
52. द्विपञ्चाशत् (द्वापञ्चाशत्)
53. त्रिपञ्चाशत् (त्रय:पञ्चाशत्)
54. चतु:पञ्चाशत्
55. पञ्चपञ्चाशत्
56. षट्पञ्चाशत्
57. सप्तपञ्चाशत्
58. अष्टापञ्चाशत् (अष्टपञ्चाशत्)
59. नवपञ्चाशत्
(ऊनषष्टि, एकोनषष्टि, एकान्नषष्टि)
60. षष्टि
61. एकषष्टि
62. द्विषष्टि (द्वाषष्टि)
63. त्रिषष्टि (त्रय:षष्टि)
64. चतुष्षष्टि
65. पञ्चषष्टि
66. षट्षष्टि
67. सप्तषष्टि
68. अष्टषष्टि (अष्टाषष्टि)
69. नवषष्टि (ऊनसप्तति, एकोनसप्तति, एकान्नसप्तति)
70. सप्तति
71. एकसप्तति
72. द्विसप्तति (द्वासप्तति)
73. त्रिसप्तति (त्रयस्सप्तति)
74. चतुस्सप्तति
75. पञ्चसप्तति
76. षट्सप्तति
77. सप्तसप्तति
78. अष्टसप्तति (अष्टासप्तति)
79. नवसप्तति (ऊनाशीति, एकोनाशीति, एकान्नाशीति)
80. अशीति
81. एकाशीति
82. द्वयशीति
83. त्र्यशीति
84. चतुरशीति
85. पञ्चाशीति
86. षडशीति
87. सप्ताशीति
88. अष्टाशीति
89. नवाशीति
(ऊननवति, एकोननवति, एकान्ननवति)
90. नवति
91. एकनवति
92. द्विनवति (द्वानवति)
93. त्रिनवति (त्रयोनवति)
94. चतुर्नवति
95. पञ्चनवति
96. षण्णवति
97. सप्तनवति
98. अष्टनवति (अष्टानवति)
99. नवनवति (एकोनशत)
100. शत।

सौ से अधिक कोटि (करोड़) तक संख्यावाची शब्द

100	—	शत (सौ)	1,00,000	—	लक्ष (लाख)
1,000	—	सहस्र (हजार)	10,00,000	—	प्रयुत (दस लाख)
10,000	—	अयुत (दस हजार)	1,00,00,000	—	कोटि (करोड़)

अभ्यास प्रश्न

(क)1. निम्नलिखित में से किसी एक का रूप लिखिए–

(अ) 'भगवत्' शब्द का तृतीया विभक्ति का एकवचन, बहुवचन तथा सप्तमी विभक्ति का एकवचन, द्विवचन।

(आ) 'वधू' शब्द का चतुर्थी विभक्ति का द्विवचन, बहुवचन तथा षष्ठी विभक्ति का एकवचन, बहुवचन।

(इ) 'वारि' शब्द का द्वितीया विभक्ति का द्विवचन, बहुवचन तथा पञ्चमी विभक्ति का एकवचन, द्विवचन।

2. निम्नलिखित में से किसी एक का शब्द-रूप लिखिए–

(अ) तत् (पुं०) शब्द के तृतीया विभक्ति के सभी वचनों में।

(आ) मति शब्द के पञ्चमी एकवचन तथा द्वितीया बहुवचन में।

(इ) हरि शब्द के चतुर्थी एकवचन में।

3. निम्नलिखित में से किसी एक का रूप लिखिए–

(अ) गुरु शब्द के चतुर्थी विभक्ति के सभी वचनों का रूप।

(आ) करिन् शब्द के द्वितीया विभक्ति एकवचन व सप्तमी द्विवचन के रूप।

(इ) युष्मद् शब्द के तृतीया विभक्ति के तीनों वचनों व षष्ठी एकवचन का रूप।

4. निम्नलिखित शब्दों के पंचमी विभक्ति के तीनों वचन में रूप लिखिए–

धेनु, सरित्, इदम्, राजन्, हरि, मति।

5. निम्नलिखित में से किसी एक का शब्द-रूप लिखिए–

(अ) 'रमा' शब्द के पञ्चमी और षष्ठी विभक्तियों के तीनों वचनों में।

(आ) 'वारि' शब्द के द्वितीया द्विवचन तथा चतुर्थी बहुवचन में।

6. निम्नलिखित में से किसी एक का रूप लिखिए–

(अ) यद् (पुंलिङ्ग) का तृतीया एवं चतुर्थी विभक्ति के एकवचन तथा बहुवचन में।

(आ) 'वधू' का द्वितीया विभक्ति के सभी वचनों तथा तृतीया विभक्ति के एकवचन में।

(इ) किम् (पुं०) का चतुर्थी के एकवचन तथा पञ्चमी विभक्ति के सभी वचनों में।

7. निम्नलिखित में से किसी एक का रूप लिखिए–

(अ) 'पितृ' के तृतीया विभक्ति तथा पञ्चमी विभक्ति के द्विवचन व बहुवचन।

(आ) 'गो' के चतुर्थी विभक्ति तथा षष्ठी विभक्ति के एकवचन व द्विवचन।

(इ) 'नामन्' शब्द का द्वितीया तथा सप्तमी के द्विवचन व बहुवचन।

8. निम्नलिखित में से किसी एक का रूप लिखिए–

(अ) 'पितृ' शब्द सप्तमी, एकवचन। **(आ)** 'नदी' शब्द पञ्चमी, एकवचन। **(इ)** 'वारि' शब्द तृतीया, बहुवचन।

9. निम्नलिखित में से किसी एक शब्द का रूप लिखिए–

(अ) 'भगवत्' शब्द के षष्ठी, एकवचन। **(आ)** 'नदी' शब्द के षष्ठी, द्विवचन। **(इ)** 'वारि' शब्द के चतुर्थी, बहुवचन।

10. निम्नलिखित में से किसी एक शब्द का रूप लिखिए–

(अ) 'करिन्' शब्द का द्वितीया, बहुवचन। **(आ)** 'राजन्' शब्द का सप्तमी, एकवचन। **(इ)** 'वधू' शब्द का तृतीया, एकवचन।

11. निम्नलिखित में से किसी एक का एकवचन और बहुवचन का रूप लिखिए–

(अ) 'पितृ' शब्द के तृतीया विभक्ति। **(आ)** 'वारि' शब्द के सप्तमी विभक्ति। **(इ)** 'मनस्' शब्द के षष्ठी विभक्ति।

(2019 AS)

12. **निम्नलिखित में से किसी एक शब्द का रूप लिखिए–**

(अ) 'लता' शब्द का तृतीया, बहुवचन में। **(आ)** 'राजन्' शब्द का चतुर्थी, एकवचन में। **(इ)** 'हरि' शब्द का तृतीया, बहुवचन में।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए–

1. **'नामभिः' रूप किस विभक्ति व वचन का है?**

(अ) तृतीया विभक्ति बहुवचन **(ब)** पञ्चमी विभक्ति एकवचन **(स)** सप्तमी विभक्ति बहुवचन **(द)** द्वितीया विभक्ति द्विवचन।

2. **'नद्या' रूप है नदी शब्द का–**

(अ) तृतीया एकवचन **(ब)** द्वितीया एकवचन **(स)** चतुर्थी एकवचन **(द)** षष्ठी एकवचन

3. **'वारिणोः' रूप किस विभक्ति व वचन का रूप है?**

(अ) द्वितीया विभक्ति बहुवचन **(ब)** षष्ठी, सप्तमी के द्विवचन **(स)** पञ्चमी एकवचन **(द)** प्रथमा द्विवचन

4. **'मनस्' शब्द के षष्ठी एकवचन का रूप है?**

(अ) मनस्य **(ब)** मनसात् **(स)** मनसः **(द)** मनसा

5. **'पितुः' किस विभक्ति व वचन का रूप है?**

(अ) द्वितीया द्विवचन **(ब)** तृतीया द्विवचन **(स)** पञ्चमी एकवचन **(द)** सप्तमी एकवचन

6. **'पितृ' शब्द का 'पित्रे' रूप किस विभक्ति और वचन में बनता है?**

(अ) सप्तमी एकवचन **(ब)** चतुर्थी एकवचन **(स)** द्वितीया एकवचन **(द)** प्रथमा द्विवचन

7. **'यत्' सर्वनाम स्त्रीलिङ्ग का 'याभिः' रूप बनता है–**

(अ) तृतीया में **(ब)** चतुर्थी में **(स)** पंचमी में

8. **'मनोभिः' रूप किस विभक्ति और वचन का है?**

(अ) तृतीया विभक्ति, बहुवचन **(ब)** चतुर्थी विभक्ति, एकवचन **(स)** षष्ठी विभक्ति, द्विवचन **(द)** प्रथमा विभक्ति, बहुवचन

9. **'राजन्' शब्द का 'राज्ञि' रूप किस विभक्ति में बनता है?**

(अ) षष्ठी में **(ब)** पञ्चमी में **(स)** सप्तमी में **(द)** चतुर्थी में

10. **'नदी' शब्द के तृतीया द्विवचन का रूप है–**

(अ) नदीभ्याम् **(ब)** नदीभिः **(स)** नद्या **(द)** नद्याम्

11. **'राजा' शब्द का 'राज्ञे' रूप किस विभक्ति में बनता है?**

(अ) द्वितीया **(ब)** पञ्चमी **(स)** चतुर्थी **(द)** सप्तमी

12. **पितृ शब्द का 'पितरम्' रूप किस विभक्ति में बनता है?**

(अ) द्वितीया में **(ब)** चतुर्थी में **(स)** षष्ठी में **(द)** पंचमी में

13. **'गवे' रूप किस विभक्ति और वचन का है?**

(अ) तृतीया एक वचन **(ब)** चतुर्थी एक वचन **(स)** षष्ठी एक वचन **(द)** द्वितीया एक वचन

14. **पितृ शब्द का 'पितरि' रूप किस विभक्ति में बनता है?**

(अ) तृतीया **(ब)** चतुर्थी **(स)** सप्तमी **(द)** पञ्चमी

15. **गुरु शब्द का गुरोः रूप किस विभक्ति में बनता है?**

(अ) द्वितीया में **(ब)** चतुर्थी में **(स)** षष्ठी में **(द)** पंचमी में

16. **'पितृ' शब्द का 'पित्रा' रूप किस विभक्ति में बनता है?**

(अ) प्रथमा **(ब)** द्वितीया **(स)** तृतीया **(द)** चतुर्थी

17. पितृ शब्द का षष्ठी एकवचन का रूप है–

(अ) पितस्य **(ब)** पितृस्य **(स)** पितु: **(द)** पिता

18. 'वधूभ्याम्' किन-किन विभक्तियों के किस वचन का है?

19. धेनो: रूप किस विभक्ति के किस वचन का है?

20. मति शब्द का पञ्चमी एकवचन का रूप है–

(अ) मत्यै **(ब)** मत्या **(स)** मते: **(द)** मत्याम्

21. 'वारिणा' किस विभक्ति व वचन का रूप है?

(अ) प्रथमा विभक्ति, एकवचन **(ब)** तृतीया विभक्ति, एक वचन **(स)** पंचमी विभक्ति, द्विवचन **(द)** सप्तमी विभक्ति, बहुवचन

22. 'गोषु' किस विभक्ति एवं वचन का रूप है?

(अ) प्रथमा विभक्ति, बहुवचन **(ब)** चतुर्थी विभक्ति, बहुवचन **(स)** सप्तमी विभक्ति, बहुवचन

23. 'पितरि' किस विभक्ति एवं वचन का रूप है?

(अ) प्रथमा विभक्ति, बहुवचन **(ब)** द्वितीया विभक्ति, द्विवचन **(स)** सप्तमी विभक्ति, एकवचन **(द)** षष्ठी विभक्ति, एकवचन

24. 'नद्याम्' किस विभक्ति एवं वचन का रूप है?

(अ) चतुर्थी विभक्ति, बहुवचन **(ब)** पञ्चमी विभक्ति, द्विवचन **(स)** षष्ठी विभक्ति, एकवचन **(द)** सप्तमी विभक्ति, एकवचन

25. 'गाव:' किस विभक्ति एवं वचन का रूप है?

(अ) प्रथमा विभक्ति, द्विवचन **(ब)** प्रथमा विभक्ति, बहुवचन **(स)** तृतीया विभक्ति, एकवचन **(द)** चतुर्थी विभक्ति, बहुवचन

26. 'राज्ञि' किस विभक्ति एवं वचन का रूप है?

(अ) षष्ठी विभक्ति, एकवचन **(ब)** चतुर्थी विभक्ति, बहुवचन **(स)** पञ्चमी विभक्ति, एकवचन **(द)** सप्तमी विभक्ति, एकवचन

27. 'अस्मद्' शब्द का 'मयि' पद किस विभक्ति तथा वचन का है?

(अ) पञ्चमी विभक्ति, द्विवचन का **(ब)** षष्ठी विभक्ति, बहुवचन का **(स)** सप्तमी विभक्ति, एकवचन का

28. 'भगवति' किस विभक्ति एवं वचन का रूप है?

(अ) तृतीया विभक्ति, बहुवचन **(ब)** पंचमी विभक्ति, एकवचन **(स)** चतुर्थी विभक्ति, एकवचन **(द)** सप्तमी विभक्ति, एकवचन

29. 'बालिके' किस विभक्ति एवं वचन का रूप है?

(अ) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन **(ब)** तृतीया विभक्ति, द्विवचन **(स)** प्रथमा विभक्ति, द्विवचन **(द)** पंचमी विभक्ति, बहुवचन

30. 'अमुना' किस विभक्ति एवं वचन का रूप है?

(अ) प्रथमा विभक्ति, बहुवचन **(ब)** तृतीया विभक्ति, एकवचन **(स)** चतुर्थी विभक्ति, एकवचन **(द)** षष्ठी विभक्ति, बहुवचन

31. 'गवे' किस विभक्ति एवं वचन का रूप है?

(अ) प्रथमा विभक्ति, एकवचन **(ब)** चतुर्थी विभक्ति, एकवचन **(स)** सप्तमी विभक्ति, एकवचन

32. यै: किस विभक्ति तथा वचन का रूप है?

(अ) प्रथमा विभक्ति, एकवचन **(ब)** द्वितीया विभक्ति, बहुवचन **(स)** तृतीया विभक्ति, बहुवचन **(द)** सप्तमी विभक्ति, बहुवचन

●